राजेन्द्र बनाम भगवान

नाम न्यायालय सहायक कलक्टर जयपुर शहर

केस संख्या 600 07/2018

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विव[illegible]
		आज दिनांक 13/7/2020 को पत्रावली पेश हुई पी.ओ.सा. अवकाश/अन्य राजकार्य पर/कोविड है। Covid19 अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 10/08/2020 को पेश हो।	
		आज दिनांक 10/08/2020 को पत्रावली पेश हुई पी.ओ.सा. अवकाश/अन्य राजकार्य पर/कोविड है। Covid19 अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 07/09/2020 को पेश हो।	
	07/09/2020	पत्रावली पेश हुई। वकील अप्रार्थीगण उपस्थित। वकील वादी उपस्थित होकर कथन किया कि प्रकरण में राजीनामा हो रहा है व आ. 15 दिन का समय दिया जावे। पत्रावली वास्ते अग्रिम कार्यवाही हेतु दिनांक 24/09/2020 को पेश हो। सहायक कलक्टर जयपुर शहर प्रथम	
No objection 24-9-20	राजेन्द्र 24/09/2020	पत्रावली पेश हुई। वकील अप्रार्थीगण एवं वादी स्वयं उपस्थित। वकील वादी एवं वादी ने उपस्थित होकर एक प्रार्थना पत्र वाद विड्रा करने बाबत पेश किया। वादी एवं वकील वादी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में अवगत करवाया गया है कि प्रकरण को वादी कोर्ट आगे नहीं चलाना चाहता है और निजी रूप से ही विवाद का निपटारा करना चाहता है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार फरमाया जाकर वाद को विड्रा किये जाने के आदेश प्रदान करें। वादी की पहचान वादी के अधिवक्ता ने की [illegible] प्रतिवादी संख्या 02,3,04 के अधिवक्ता [illegible] No objection [illegible] पहचान में आधार कार्ड [illegible]	राजेन्द्र

Signature Not Verified
Digitally signed by Arshdeep Brar
Date: 2020.11.26 12:06:59 IST
Reason: SelfAttested

Scanned by CamScanner

फर्द अहकाम

राजेन्द्र बनाम भागचन्द वगै.

सहायक कलक्टर जयपुर शहर

...म न्यायालय

...स संख्या वाद - 07/2018

...म संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रुप से	विशेष विवरण
		हमने वादी एवं वादी अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र विड्रा एवं प्रतिवादी अधिवक्ता सालका प्रार्थी 02,03,04 द्वारा पत्रावली के अवलोकन एवं प्रार्थी का विड्रा पर No objection तथा पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजों का अध्ययन किया तो पाया कि वादी, वादी अधिवक्ता एवं प्रतिवादी सालका 02,03,04 को वाद विड्रा प्रार्थना पत्र स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं है अतः प्रार्थना पत्र वादी, वादी अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत वाद विड्रा को न्यायहित में स्वीकार किया जाता है तथा वादविड्रा प्रार्थना पत्र स्वीकार होने से वादी का वाद खारिज किया जाता है पत्रावली दर्ज नम्बर से कम होकर फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।	
		[signature]	
		सहायक कलक्टर जयपुर शहर प्रथम	

Signature Not Verified

Digitally signed by Arshdeep Brar
Date: 2020.11.26 12:06:59 IST
Reason: SelfAttested

Scanned by CamScanner